Dr.Raman Kumar Thakur

Assistant professor (Guest) Department of Economics ,D.B.College, Jaynagar, Madhubani.

Class:-B.A.part-2 (Gen/subsidiary) Date:-14-08-2020.

Lecture:-14.

Topic:- भारत में बेरोजगारी का स्वरूप (Types of Unemployment in India):-

लॉर्ड किन्स के विश्लेषण के अनुसार विकसित देशों में बेरोजगारी का मूल कारण प्रभावी मांग की कमी माना जाता है। इसके विपरीत भारत जैसे अल्पविकसित देश में बेरोजगारी का कारण प्रभावी मांग की कमी ना होकर अन्य है, यहां बेरोजगारी के साथ साथ मुद्रास्फीति की स्थिति भी पाई जाती है। भारत में प्रायः निम्नांकित रूपों में बेरोजगारी देखने को मिलती है :-

1).मौसमी बेरोजगारी:- मौसमी बेरोजगारी मुख्यतः कृषि और कृषि पर आधारित उद्योगों में पाई जाती है।

2) अल्प बेरोजगारी :- बेरोजगार वे लोग होते हैं जिन्हें आकाश्मिक अथवा अल्प रोजगार मिलता है।

3) संरचनात्मक बेरोजगारी:- इस प्रकार की बेरोजगारी देश में संरचनात्मक परिवर्तनों के कारण उत्पन्न होती है इसकी प्रवृत्ति दीर्घकालीन होती है।

4) अदृश्य बेरोजगारी :- अदृश्य श्रमिक वे श्रमिक होते हैं जो काम पर रहे अथवा ना रहे उत्पादन पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

5) शिक्षित बेरोजगारी:- शिक्षित बेरोजगार वे व्यक्ति होते हैं जिन्हें योग्यता अनुसार कार्य नहीं मिलता है। भारत में ऐसी बेरोजगारी शहरी क्षेत्रों में अधिक पाई जाती है।

6) घर्षानात्मक बेरोजगारी :- मांग और पूर्ति की दशाओं का असंतुलन घर्षानात्मक बेरोजगारी उत्पन्न करता है ।

7) चक्रीय बेरोजगारी निर्यात मध्यांतरो ऊपर व्यापार चक्रों की गतिशीलता के कारण उत्पन्न बेरोजगारी चक्रीय बेरोजगारी कहलाती है।

8) प्राविधिक बेरोजगारी यह बेरोजगारी उत्पादन तकनीकों के परिवर्तन के कारण उत्पन्न होती है है।

*** भारत में बेरोजगारी के कारण (Causes of Unemployment in India) :-1)जनसंख्या की तीव्र वृद्धि दर.**

2) कृषि पर बढ़ता दबाव

3) दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली

4) परंपरागत हस्तकला का हनन।

5) दोषपूर्ण नियोजन।

6) मशीनीकरण को बढ़ावा।

7) व्यापार परक शिक्षा की उपेक्षा।

8) स्वरोजगार की इच्छा का अभाव।